AMAR UJALA MY CITY Page 3

लविवि : इस बार स्वकेंद्र होगी सेमेस्टर परीक्षा

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के कारण लखनऊ विश्वविद्यालय इस सेमेस्टर की परीक्षा स्वकेंद्र प्रणाली पर कराएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर बनी सभी डीन की कमेटी ने ये सिफारिश की है। इसका लाभ विवि से संबद्ध 170 कॉलेजों के लगभग 1.50 लाख विद्यार्थियों को मिलेगा। सात सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए स्वकेंद्र का प्रस्ताव किया है, जिससे परीक्षार्थियों एवं शिक्षकों की न्यूनतम गतिशीलता हो। परीक्षाएं तीन पालियों में होंगी। प्रश्न पत्र में छात्रों को ज्यादा विकल्प देने की सिफारिश की गई है। किंतु प्रश्न पत्र के पद्धति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

कमेटी ने ये भी कहा है कि अंतिम वर्ष की परीक्षा पहले कराई जाए तथा शेष परीक्षाओं को बाद में कराया जाए। कमेटी ने परास्नातक परीक्षाओं का मूल्यांकन संबंधित कार्य विभागों में करने और स्नातक परीक्षाओं का मूल्यांकन विश्वविद्यालय में तथा कुछ महाविद्यालयों में संपन्न कराने का भी सुझाव दिया है। इस विकेंद्रीकरण से कोरोना संक्रमण से बचाव किया जा सकता है। कमेटी ने कहा है कि मूल्यांकन केंद्रों को ज्यादा समय तक खोला जाए और यथासंभव इन्हें दो पालियों में कराया जाए। इस कमेटी में संकाय अध्यक्ष कला प्रो. बीके शुक्ल, संकाय अध्यक्ष शिक्षा प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, संकाय अध्यक्ष विधि प्रो. सीपी सिंह, डीन अकादमिक सेल प्रो. अरविन्द मोहन, संकाय अध्यक्ष वाणिज्य प्रो. सोमेश शुक्ल, संकाय अध्यक्ष ललित कला डॉ. आलोक कुमार तथा रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. नवीन खरे शामिल थे। माना जा रहा है कि अगर लॉकडाउन खुलता है तो जून के अंत मे परीक्षाओं का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय करेगा।

NBT Page 4

एलयू में सेल्फ सेंटर संग तीन पालियों में होगी परीक्षा

समिति की सिफारिश, महाविद्यालयों में बनाए जाएं मूल्यांकन केंद्र

■ एनबीटी, लखनऊ : कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शैक्षणिक व्यवस्था के लिए गठित समिति ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में सेल्फ सेंटर सिस्टम के साथ तीन पालियों में परीक्षा करवाने की सिफारिश की है।

कोरोना संक्रमण के बीच सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए एलयू ने एक समिति गठित की थी। इस समिति में कला संकाय अध्यक्ष प्रो. बीके शुक्ल, शिक्षा संकाय अध्यक्ष प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, विधि संकाय अध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह, डीन अकादमिक सेल के प्रो. अरविन्द मोहन, वाणिज्य संकाय अध्यक्ष प्रो. सोमेश शुक्ल, ललित कला संकाय अध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार और रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. नवीन खरे शामिल थे।

समिति की सिफारिशें

■ सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए सेल्फ सेंटर बनाए जाएं ताकि स्टूडेंट्स और शिक्षकों को कम दूरी तय करनी पड़े।

■ परास्नातक परीक्षाओं का मूल्यांकन संबंधित विभागों में किया जाए, जबकि स्नातक परीक्षाओं का मूल्यांकन विश्वविद्यालय और कुछ महाविद्यालयों में करवाआ जाए।

■ प्रश्न पत्र में स्टूडेंट्स को ज्यादा विकल्प दिए जाएं, हालांकि इसके लिए प्रश्न पत्र की पद्धति में कोई बदलाव न हो।

■ परीक्षा तीन पालियों में करवाई जाए।

■ मूल्यांकन केंद्रों को ज्यादा समय तक खोला जाए और इन्हें दो पालियों में संचालित किया जाए।

■ अंतिम वर्ष की परीक्षा पहले करवाई जाए और शेष परीक्षाएं बाद में।

एलयू में शुरू होगा कोविड-19 पर डिप्लोमा कोर्स

मास्टर्स और पीजी डिप्लोमा के लिए भेजा गया प्रस्ताव

■ एनबीटी,लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय(एलयू) कोविड-19 महामारी पर एक नया स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। एलयू के न्यू कैंपस स्थित डॉ.गिरी लाल गुप्ता इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ ऐंड पब्लिक अफेयर्स में स्टूडेंट्स के लिए कोविड-19 पर एक डिप्लोमा कोर्स पढ़ाए जाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

विश्वविद्यालय प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया हमें इस महामारी के समय किस तरह से काम करना है, भविष्य में इसे लेकर क्या क्या चुनौतियां होगी। इन सभी चीजों को समाहित करते हुए एलयू में पीजी डिप्लोमा व मास्टर कोर्स शामिल करने का सोचा गया है। इंस्टिट्यूट की ओर से विश्वविद्यालय प्रशासन को मास्टर कोर्स में कुल 55 सीटों का प्रास्ताव भेजा गया है। हालांकि, पीजी डिप्लोमा कोर्स में उपलब्ध सीटों की संख्या अभी तय नहीं की गई है केवल कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव ही भेजा गया है। इंस्टिट्यूट की ओर से इस कोर्स के लिए तीन संविदा शिक्षकों की मांग रखी है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों के मुताबिक आगामी शैक्षणिक सत्र में इस कोर्स को शुरू किए जाने की उम्मीद है।

HINDUSTAN Page 6

सेमेस्टर परीक्षा

एलयू:कॉलेजों में सेल्फ सेंटर विभाग खुद कराएगा मूल्यांकन

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

● तीन पालियों में परीक्षा कराने की संस्तुति

कोरोना संक्रमण को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन इस बार सेमेस्टर परीक्षा में स्वकेन्द्र व्यवस्था लागू कर सकता है। कुलपति की ओर से गठित समिति की रिपोर्ट में सोमवार को इसकी संस्तुति की गई। समिति का सुझाव है कि इससे परीक्षार्थियों व शिक्षकों को ज्यादा यात्रा नहीं करनी पड़ेगी और संक्रमण का खतरा कम हो जाएगा।

बता दें, कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 6 मई को समिति गठित की थी। इसमें प्रोफेसर बीके शुक्ल, प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, प्रो. सीपी सिंह, प्रो. अरविन्द मोहन, प्रो. सोमेश शुक्ल, डॉ. आलोक कुमार व प्रो. नवीन खरे शामिल थे। समिति की रिपोर्ट में मूल्यांकन में विक्रेन्द्रीकरण व्यवस्था को अपनाने की बात कही गई है। इसके तहत परास्नातक परीक्षाओं का मूल्यांकन सम्बंधित विभागों में ही कराने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा स्नातक परीक्षाओं का मूल्यांकन विश्वविद्यालय में तथा कुछ महाविद्यालयों में सम्पन्न कराने की बात कही गई है।

परीक्षाएं तीन पालियों में: समिति ने प्रश्न पत्र के पैटर्न में कोई बदलाव न किए जाने पर जोर दिया है। साथ ही, छात्रों को ज्यादा विकल्प देने की सिफारिश की है। इसके अलावा परीक्षाएं तीन पालियों में कराने, मूल्यांकन केंद्रों को ज्यादा समय तक खोलने, यथासंभव मूल्यांकन दो पालियों में कराने के सुझाव भी आए हैं। समिति ने अंतिम वर्ष की परीक्षा पहले कराने और उसके बाद अन्य परीक्षाएं कराने की वकालत की है।

25 कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया

लविवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

कोरोना संक्रमण में लखनऊ विश्वविद्यालय को सुरक्षित रखने वाले 25 कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इन्हें सम्मानित किया।

इन कोरोना वॉरियर्स में लविवि के कर्मचारियों के साथ ही विश्वविद्यालय चौकी इंचार्ज अभय सिंह व अन्य सिपाही शामिल थे। इन्हें माला पहनाकर व पुष्प वर्षा करके धन्यवाद दिया गया। लूटा अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन ने बताया कि सम्मानित होने वालों में 25 सफाई कर्मचारियों सहित लेखा विभाग व कुलसचिव कार्यालय के कर्मचारियों संजीव सिन्हा, विनायक द्विवेदी, विमलेश तिवारी, सुमित मिश्रा, दीपेन्द्र श्रीवास्तव, रमेश राम, राहुल, मोहित, रवि, प्रदीप, अशोक झा, डॉ. कश्यप, लल्लू, दिलीप, फिरोज, सनी भी शामिल रहे।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. आनंद मुरारी सक्सेना, प्रो. एमके अग्रवाल, डॉ. अल्पना बाजपेई, प्रो. नवीन खरे, डॉ. देश दीपक, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश शुक्ला, डॉ. गणेश शंकर पाण्डेय, अनिरुद्ध श्रीवास्तव, आशुतोष सिंह आशु, प्रकाश सिंह, लवकुश तिवारी, अमन सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया।

PIONEER Page 3 & 4

पीजी में कोविड-19 पर अब डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के मूड में एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना जैसी महामारी को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय का डॉ गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट पीजी स्तर पर डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए इंस्टीट्यूट ने विवि प्रशासन को प्रस्ताव भेजकर पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स में शुरू करने की मांग की है। विश्वविद्यालय प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इंस्टीट्यूट की ओर से विश्वविद्यालय प्रशासन को मास्टर कोर्स का प्रस्ताव भेजा गया है। हालांकि पीजी डिप्लोमा कोर्स में उपलब्ध सीटों की संख्या अभी तय नहीं की गई है केवल कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव ही भेजा गया है। बता दें कि इंस्टीट्यूट की ओर से इस कोर्स के लिए तीन संविदा शिक्षकों की मांग रखी गई है।

समिति ने एलयू से की स्वकेंद्र परीक्षा कराने की सिफारिश

अब तीन पालियों में परीक्षा का प्रस्ताव रखा

मूल्यांकन के लिए महाविद्यालयों को भी केंद्र बनाने का जिक्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लॉकडाउन के चलते पटरी से उतरी शैक्षणिक व्यवस्था को देखते हुए विवि स्तर पर परीक्षाओं से लेकर मूल्यांकन कार्य के लिए गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय को सौंप दी है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस बार स्वकेंद्र परीक्षा सिस्टम को लागू करने के साथ ही तीन पालियों में परीक्षा कराने की सिफारिश की है। विवि स्तर पर सेमेस्टर परीक्षाओं के संचालन के लिए एक कमेटी गठित की थी। इस कमेटी में संकाय अध्यक्ष कला प्रोफेसर बीके शुक्ल, संकाय अध्यक्ष शिक्षा प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, संकाय अध्यक्ष विधि प्रोफेसर सीपी सिंह, डीन अकादमिक सेल प्रोफेसर अरविन्द मोहन, संकाय अध्यक्ष वाणिज्य प्रो सोमेश शुक्ल, संकाय अध्यक्ष ललित कला डॉ. आलोक कुमार तथा रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. नवीन खरे शामिल थे। इस समिति को अपनी रिपोर्ट कुलपति को देनी थी।

कमेटी की यह हैं सिफारिश

–आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए स्व केंद्र का प्रस्ताव किया गया है, जिससे परीक्षार्थियों एवं शिक्षकों की न्यूनतम गतिशीलता हो।

–परास्नातक परीक्षाओं का मूल्यांकन संबंधित विभागों में किया जाए जबकि स्नातक परीक्षाओं का मूल्यांकन विश्वविद्यालय में तथा कुछ महाविद्यालयों में संपन्न कराया जाए। इस विकेंद्रीकरण से काफी कुछ बचाव किया जा सकता है।

–प्रश्न पत्र में छात्रों को ज्यादा विकल्प देने की सिफारिश की गई है किंतु प्रश्न पत्र के पद्धति में बिना कोई बदलाव किए हुए यह किया जाए।

–परीक्षाओं को तीन पारियों में संपन्न कराया जाए।

–मूल्यांकन केंद्रों को ज्यादा समय तक खोला जाए और यथासंभव इन्हें दो पारियों में संचालित किया जाए।

–अंतिम वर्ष की परीक्षा पहले कराई जाए तथा शेष परीक्षाओं को बाद में संपन्न कराया जाए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट कराएगा एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी का काउंसिलिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल ने स्टूडेंट्स के लिए प्लेसमेंट को लेकर कई योजनाए तैयार की हैं। जिसमें पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जॉब दिलाने में विवि प्रशासन मदद करेगा। साथ ही सीपीसी सेल ने यूनिवर्सिटी के पीएचडी स्कॉलर्स के लिए भी कैंपस प्लेसमेंट की योजना बनाई है।

इस कार्य मे लखनऊ यूनिवर्सिटी से पढ़े हुए पूर्व छात्रों को मदद लेने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने एलयू के एलुम्निाई स्टूडेंट्स को जोड़ने के लिए कई योजना बनाई है और वह बना भी रहे है। इसी क्रम में उन्होंने यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्लेसमेंट की योजना बनाई है। इसमें एलयू के स्टूडेंट्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जॉब करने का मौका मिलेगा। स्टूडेंट्स को विवि के पूर्व छात्र अपनी ही कम्पनी में इंटरव्यू के माध्यम से नौकरी दिलाने में मदद करेंगे। यह योजना जल्द ही एलयू प्रशासन शुरू कर देगा।

पीएचडी स्कॉलर्स का होगा कैंपस प्लेसमेंट: एलयू के अधिकारियों के मुताबिक एलयू प्रशासन यूनिवर्सिटी से पीएचडी स्कॉलर्स के लिए भी कैंपस प्लेसमेंट की योजना तैयार कर रह है। इस योजना के तहत एलयू के पीएचडी स्कॉलर्स को एलयू व एलयू से सम्बद्ध कॉलेजों में खाली पदों पर नौकरी करने का अवसर मिलेगा। प्रोफेसर राय ने कहा कि यूनिवर्सिटी में पीएचडी रिसर्च स्कॉलर के लिए विशेष प्लेसमेंट सेल तैयार की जा रही है। इसके लिए सेंट्रल प्लेसमेंट सेल को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। देश में किसी भी यूनिवर्सिटी में यह अलग होगा। इसके अलावाए उद्यमिता को भी बढ़ावा देने के लिए विशेष सेल का गठन किया जा रहा है।

AMAR UJALA MY CITY Page 3

मॉलिक्यूल के जरिए फर्स्ट स्टेज में कैंसर के सेल्स का निदान सम्भव: प्रो. युकीहिरो

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में नेशनल प्रौद्योगिकी दिवस के मौके पर सोमवार को रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के बायोमेडिकल एप्लिकेशन पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में कावेसो गाकुइन विश्वविद्यालय जापान के प्रो. युकीहिरो ओजाकी ने महत्वपूर्ण लेक्चर दिया। उन्होंने बताया कि मॉलिक्यूल के जरिये फर्स्ट स्टेज में कैंसर के सेल्स का निदान किया जा सकता है। प्रो. युकीहिरो ने बताया कि रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा उम्र बढ़ने और मोतियाबिंद के कारण आंख के लेंस में होने वाले परिवर्तनों की जांच की सकती है। उन्होंने बताया कि यह कैसे आकांक्षी प्रोटीन का पता लगाने, लाइव माइस मॉडल में कैंसर की निगरानी पर निर्भर करता है। उन्होंने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के भविष्य के पहलुओं के बारे में भी बताया। साथ ही चिकित्सा क्षेत्र में रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका के बारे में बताया। वेबिनार में पोलैंड, मालासिया, दक्षिण कोरिया, हंगरी, जापान, ताइवान, नेपल और भारत के विभिन्न हिस्सों के 225 से अधिक शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

इन हिस्सों के 225 से अधिक शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

सकारात्मक सोच से लाएं खुशियां

लखनऊ। लविवि के केमेस्ट्री विभाग के प्रो. अनिल मिश्रा ने कहा है कि सकारात्मक दृष्टिकोण जीवन में खुशी का रास्ता खोलता है। वे विश्वविद्यालय के करियर एंड प्लेसमेंट सेल व गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज द्वारा आयोजित द पाथ-वे ऑफ हैप्पीनेस- ए प्रैक्टिकल एप्रोच, विषयक वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति न्यायसंगत रूप में खुद ही खुश रहने का रास्ता ढूंढ सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वास रखना, मुस्कुराना और दूसरों की सहायता करना लॉकडाउन में खुश रहने का मूल मंत्र हो सकता है। वेबिनार को प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल, प्रो. एके सेन गुप्ता आदि ने संबोधित किया। प्राचार्या डॉ. सुरभि गर्ग ने अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापित किया।

THE PIONEER Page 3 & 4

Covid-19: LU conducts research on effectiveness of Ayurvedic medicines

PNS ■ LUCKNOW

Prof Neeraj Mishra and his team from Lucknow University's Physics department Lucknow has conducted a research on Ayurvedic medicines' effectiveness in combating Covid-19. Mishra said it was a joint research of Lucknow University and DDU Gorakhpur University.

"Today, the world is in trouble due to the Covid-19 pandemic. India is blessed with so many natural products whose miraculous effects are not completely known as yet. We have a number of compounds in plants and trees around us which are frequently used in Ayurvedic medicines," Mishra said.

He said that the molecular modelling and docking-based research suggests that many such plants can be effective to inhibit Covid-19.

"A total of 11 plants have been considered in this research, including harsingar, aloe vera, giloy, ashwagandha, tulsi, neem, turmeric etc. According to the research, harsingar is found to be more potent, followed by aloe vera and giloy. Turmeric, neem and ashwagandha are also effective to some extent," he said.

He added that the research was carried out by Ambrish K Srivastava from Physics department of DDU Gorakhpur University in collaboration with Lucknow University.

He pointed out that easy availability and fewer or no side-effects of herbal medicines compelled them to explore these natural products. "Although this is a preliminary study, it still provides a clue to explore these natural products further," he said.

He added that he had shared his research findings on Ayurvedic medicines being effective to combat Covid-19 with the Ayush Ministry.

"Based on the research interests, the team has been offered a free six-month license of Discovery Studio, an advanced drug discovery software from BIOVIA company. Recently, the research team has also initiated a research collaboration with Bowie State University, United States. The detailed studies are in progress" he added.

Varsity committee submits report on conduct of exams

Lucknow (PNS): A committee, formed on May 6 to oversee the conduct of examinations at Lucknow University, submitted its report on Monday. Media spokesperson Durgesh Srivastava said the committee had asked for reduction in the movement of students appearing in the upcoming semester exams and recommended self centres.

Evaluation of Masters-level examinations should be done in their respective departments and that of graduate-level at the university and few selected colleges, the panel recommended. This decentralisation will be helpful in prevention of coronavirus spread to a large extent. The students should be given more options in the question paper but without changing the pattern.

PNS ■ LUCKNOW

National Technology Day was celebrated in the city as institutes organised webinars with well-known scientists. Lucknow University organised a webinar on 'Biomedical Applications of Raman Spectroscopy' with an interesting and informative lecture by Prof Yukihiro Ozaki from Kwansei Gakuin University (Japan). The webinar witnessed the participation of over 500 participants. Ozaki talked about the role of Raman Spectroscopy in medical field.

Ozaki talked about the stories and discovery of Raman Effect. He talked about the application of Raman Spectroscopy to biomedical science. He has investigated lens aging and cataract formation by Raman Spectroscopy. He also talked about the diagnosis of cancer tissues in early stage through molecular information non-invasively and how it depends on morphology, protein detection, monitoring of cancer in live mouse models. More than 500 researchers from Poland, Malaysia, South Korea, Hungary, Japan, Taiwan, Nepal and different parts of India participated in the webinar.

i-Next Page 2 & 4

एलयू में तीन शिफ्ट में स्वकेंद्र एग्जाम

एग्जाम के लिए बनाई गई समिति ने सौंपी रिपोर्ट

lucknow@inext.co.in

Lucknow (11 May): एग्जाम से लेकर मूल्यांकन कार्य के लिए गठित समिति ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय को सौंपी. समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस बार स्वकेंद्र एग्जाम सिस्टम लागू करने के साथ ही तीन पालियों में एग्जाम कराने की सिफारिश की है. गौरतलब है कि एलयू ने सेमेस्टर एग्जाम के संचालन के लिए इस कमेटी का गठन किया था.

कमेटी की सिफारिशें

- सेमेस्टर एग्जाम के लिए स्वकेंद्र का प्रस्ताव, जिससे स्टूडेंट्स और टीचर्स का मूवमेंट कम हो.
- पीजी एग्जाम का मूल्यांकन संबंधित विभागों में किया जाए जाए. यूजी एग्जाम का मूल्यांकन यूनिवर्सिटी में तथा कुछ महाविद्यालयों में हो.
- प्रश्नपत्र में स्टूडेंट्स को ज्यादा विकल्प देने की सिफारिश, लेकिन यह सिस्टम में बिना बदलाव के लिए जाए.
- एग्जाम तीन शिफ्ट में कराया जाए.
- मूल्यांकन केंद्रों को ज्यादा समय तक खोला जाए और दो शिफ्ट में चलाया जाए.
- सबसे पहले फाइनल इयर का एग्जाम कराया जाए.

एलयू इंटरनेशनल स्तर पर दिलाएगा जॉब

LUCKNOW: लखनऊ यूनिवर्सिटी के काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने स्टूडेंट्स के प्लेसमेंट के लिए कई योजनाएं बनाई हैं. जिनसे स्टूडेंट्स को इंटरनेशनल स्तर पर जॉब दिलाने में मदद की जाएगी. सीपीसी सेल ने पीएचडी स्कॉलर्स के लिए भी कैंपस प्लेसमेंट की स्कीम बनाई है. इस काम में एलयू अपने उन एल्युमिनाई की भी मदद लेगा, जो विदेश में अच्छी कंपनियों में ऊंचे पदों पर हैं. ये एल्युमिनाई इंटरव्यू के माध्यम से होने वाली नियुक्तियों में एलयू के स्टूडेंट्स की मदद करेंगे. एलयू जल्द ही यह योजना शुरू करेगा. एलयू के अधिकारियों के अनुसार पीएचडी स्कॉलर्स के कैंपस प्लेसमेंट की योजना तैयार की जा रही है. इन स्कॉलर्स को एलयू व एलयू से संबद्ध कॉलेजों में जॉब का अवसर मिलेगा.